भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 8 OCTOBER 2024

Private jet travel market rises after 2-year lull

Mihir Mishra
mihir.mishra@livemint.com

NEW DELHI: India's private jet market is witnessing a resurgence after two years, riding busy business travel in the world's fastest-growing large economy and demand during general elections.

Private jet and helicopter activity jumped 18.2% on year to 106,300 movements in the April-August period this fiscal, according to data sourced from the Airports Authority of India (AAI).

That's close to the record 110,800 movements during the same period in 2021, when India's wealthy opted for charters over premium classes of commercial flights to avoid contracting the coronavirus. This spike was followed by two consecutive years of decline in 2022 and 2023.

"India is in demand and that is fuelling this growth—multiple top executives of global companies are flying in their private jets to India from all parts of the world to Delhi, Mumbai, Chennai, Bengaluru and Ahmedabad," said Santosh Sharma, founder of Bookmyjet, an online platform for booking business jets. "Many of them are also taking business jets in the domestic sector for some leisure travel—say flying to Agra."

According to Sharma, corporates flying would be contributing about 70% of the increase in demand for charters, followed by other factors including election-related flying.

Higher business travel mirrors investor and business interest in the resilient Indian economy amid global uncertainties.

The nation is also offering incentives to boost local manufacturing of everything from solar panels and electrolysers to semiconductors.

And global and local executives from the manufacturing and technology to software services sectors criss-crossing the country to evaluate opportunities and strike deals.

"India continues to emerge as a critical player in the global economy, attracting significant interest from multinational corporations, who rely on private aviation to navigate India's diverse business landscape, particularly when accessing tier 2 and tier 3 cities," said Kanika Tekriwal, founder and chief executive officer of JetSetGo, a private jet management company.

"Domestic companies, particularly in the startup ecosystem and various other fast-growing sectors, are increasingly turning to private aviation to support their expansion strategies..." Tekriwal added.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 8 OCTOBER 2024

जेवर एयरपोर्ट पर एक्सपोर्ट यूपी एग्रीज परियोजना के तहत स्थापित होगा हब

ग्रेटर नोएडा, 7 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रदेश के किसानों की आय, कृषि उत्पादकता एवं कृषि से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए यूपी एग्रीज परियोजना के तहत जेवर एयरपोर्ट के पास प्रदेश सरकार एक्सपोर्ट हब की स्थापना करेगी। इसे विश्व बैंक की मदद से धरातल पर उतारा जाएगा। इसके अलावा विश्व स्तर पर 2 से 3 उपज का बड़े पैमाने पर निर्यात करने के लिए कृषि एसईजेड (स्पेशल इकॉनमिक जोन) की स्थापना की जाएगी। साथ ही, 2 से 3 विश्व स्तरीय हैचरी भी स्थापित की जाएगी। सीएम योगी ने यूपी एग्रीज योजना के तहत किसानों को कृषि क्षेत्र में ऋण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। योगी सरकार का यह प्रयास प्रदेश के कृषि सेक्टर को पूरे देश का पावर हाउस बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हाई वैल्यू कृषि उत्पादों के एक्सपोर्ट के लिए जेवर एयरपोर्ट के पास बनेगा एक्सपोर्ट हब

- **एयरपोर्ट पर यूपी एग्रीज हब से कृषि उत्पादों के निर्यात को मिलेगा बढ़ावा**
- **यूपी एग्रीज परियोजना के अतर्हगत हब को किया जाएगा स्थापित, 2 से 3 उपज का बड़े पैमाने पर होगा निर्यात**
- **प्रदेश में 2 से 3 विश्व स्तरीय हैचरी की स्थापना को लेकर भी जल्द शुरू होगी प्रक्रिया**
- **इनमें काला नमक चावल के लिए सिद्धार्थनगर और गोरखपुर में एसईजेड की स्थापना की जाएगी**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के एग्रीकल्चर सेक्टर की तस्वीर बदलने एवं कृषि उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए हाल ही में उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल इंटरप्राइजेज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी एग्रीज) परियोजना को हरी झंडी दी है। इसके तहत कृषि उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए जेवर एयरपोर्ट के पास एक्सपोर्ट हब की स्थापना की जाएगी। इसके जरिये, हाई वैल्यू कृषि उत्पाद जैसे मूंगफली, सब्जी, काला नमक चावल, तिल आदि को विदेशों में एक्सपोर्ट किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मीट, बासमती चावल, फल-सब्जियां व खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर से जुड़े विभिन्न प्रकार के प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट उत्तर प्रदेश बड़े स्तर पर करता है। ऐसे में, कृषि उत्पादों के जरिये एक्सपोर्ट की प्रक्रिया को बढ़ाया जाएगा। इसके लिए यहां 30,750 क्लस्टर फार्म्स ग्रुप को विकसित किया जाएगा। वहीं, एक्सपोटर्स के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना की जाएगी।

कृषि उत्पादों के लिए स्थापित किये जाएंगे स्पेशल इकोनॉमी जोन

यूपी एग्रीज परियोजना के तहत प्रदेश के कृषि उत्पाद की 2 से 3 उपज को बड़े पैमाने पर निर्यात करने के लिए कृषि (स्पेशल इकोनॉमी जोन) एसईजेड की स्थापना की जाएगी, जो फॉरवर्ड लिंकेज और निर्यात बाजारों के बड़े हिस्से पर कब्जा करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इन्हें प्रदेश के 11 जिलों में विकसित किया जाएगा। इनमें काला नमक चावल के लिए सिद्धार्थनगर और गोरखपुर में एसईजेड की स्थापना की जाएगी। वहीं मूंगफली के लिए झांसी, उरद के लिए ललितपुर, सब्जियों के लिए जौनपुर, भदोही, बनारस, गाजीपुर और बलिया में एसईजेड की स्थापना की जाएगी। परियोजना के तहत अगले पांच वर्षों में प्रदेश की प्रमुख फसलों की उत्पादकता में 30 से 50 प्रतिशत की वृद्धि के लिए व्यापक कदम उठाए जाएंगे। इससे किसानों की आय में कम से कम 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी होगी। इसके अलावा, जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक विश्व स्तरीय कार्बन क्रेडिट मार्केट की स्थापना की जाएगी। प्रदेश के अन्नदाताओं को मौसम की सटीक की सूचना देने के लिए स्थानीय मौसम स्टेशन की स्थापित किया जाएगा। इसी तरह मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए 2 से 3 विश्व स्तरीय हैचरी की स्थापना की जाएगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN HERALD BANGALORE 7 OCTOBER 2024

Dasara festivities at KIA from October 7-10

BENGALURU, DHNS: The Department of Kannada and Culture and the Bangalore International Airport Limited will host cultural activities at the Kempegowda International Airport, Bengaluru, on account of Dasara, from October 7 to 10.

On Monday and Tuesday, 'Naada Habba Dasara' will feature dance and music performances by renowned artists at Terminal 2 of the airport, followed by a Carnatic music concert and Bharatanatyam performances at Terminal 1, on Wednesday and Thursday.

The cultural activities will be held at the arrival areas of the two terminals, between 7 pm and 9 pm, on all the four days. On the final day, a grand instrument ensemble will be held at Terminal 1.

Viewers are not required to have flight tickets or entry passes.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 8 OCTOBER 2024

'Govt has a ₹92kcr Runway for Airports'

Our Bureau

New Delhi: India plans to spend more than ₹92,000 crore to build new airports and expand existing ones, civil aviation minister **Ram Mohan Naidu** said on Monday. He did not give any timeframe.

He also said the total number of airports in the country will touch 200 in 2025. Another 200 airports will be developed in the next 20-25 years, the minister said.

"The expansion of airport infrastructure is progressing at an unprecedented scale, from greenfield airports in unserved pockets to major modernisation projects in our existing metro hubs. We are on track to have 200 operational airports by 2025," Naidu said at an event of the French Aerospace Industries Association (GIFAS).

He said Indian carriers have increased fleet capacity by nearly 9% this year, totalling 240 million seats across both domestic and international markets.

"This is just the tip of the iceberg, with over 1.4 billion people, a vast geographical expanse and growing economic corridors, India's air traffic is geared up for a huge exponential growth in the coming future," he said.

IndiGo, Air India and Akasa currently have an order book of nearly 1,700 aircraft with Airbus and Boeing. Aviation consultancy firm CAPA predicted the order book to increase to 2,000 by March 2025.

FILE PHOTO

Naidu also said the government is in talks with US engine maker Pratt & Whitney (PW) to speed up the Maintenance, Repair and Overhaul (MRO) process of affected engines used by Indian carriers.

"It is a global problem; we are in close communication with them, and we want to ensure that these grounded planes start as soon as possible. For a country like India, where the demand for air travel is growing, if more planes come into the fleet, we can offer more connectivity, and air fares also get more affordable. So, it is a constant push from our side that we get the engine problem settled as soon as possible, and we are discussing it with PW," he said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HARI BHUMI DELHI 8 OCTOBER 2024

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की ऐतिहासिक पहल

जेवर एयरपोर्ट पर बनेगा एक्सपोर्ट हब कृषि उत्पादों को मिलेगा वैश्विक बाजार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के जेवर एयरपोर्ट के पास एक एक्सपोर्ट हब स्थापित किया जाएगा। इस एक्सपोर्ट हब के माध्यम से उत्तर प्रदेश की प्रमुख कृषि उपज को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजा जाएगा। यह हब यूपी एग्रीज परियोजना के तहत विश्व बैंक की मदद से स्थापित किया जा रहा है, जिसमें उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों जैसे मूंगफली, सब्जियां, काला नमक चावल और तिल का बड़े पैमाने पर निर्यात किया जाएगा।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

योगी सरकार ने हाल ही में "उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइजेज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग" (यूपी एग्रीज) परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना के तहत राज्य के कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक एक्सपोर्ट हब का निर्माण किया जाएगा। जेवर एयरपोर्ट के पास बनने वाला यह एक्सपोर्ट हब राज्य के कृषि क्षेत्र के लिए एक बड़ा गेमचेंजर साबित हो सकता है। इस हब के माध्यम से उत्तर प्रदेश के किसान अपनी फसलों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने में सक्षम होंगे, जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी होगी।

निर्यात बाजारों तक सीधी पहुंच मिल सकेगी

कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग और पैकेजिंग की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी

स्पेशल इकोनॉमिक जोन की होगी स्थापना

परियोजना के तहत, कृषि उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य में 2 से 3 विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित किए जाएंगे। इनमें सिद्धार्थनगर और गोरखपुर में काला नमक चावल के लिए, झांसी में मूंगफली के लिए, ललितपुर में उरद के लिए, और जौनपुर, भदोही, वाराणसी, गाजीपुर, बलिया में सब्जियों के लिए सेज की स्थापना की जाएगी। इससे निर्यात के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा और किसानों को निर्यात बाजारों तक सीधी पहुंच मिल सकेगी।

क्लस्टर फार्मस और कॉमन फैसिलिटी सेंटर

योगी सरकार का यह प्रोजेक्ट न सिर्फ किसानों की आय बढ़ाने का उद्देश्य रखता है, बल्कि प्रदेश की कृषि उत्पादकता को भी बढ़ावा देगा। इसके तहत 30,750 क्लस्टर फार्मर्स ग्रुप को विकसित किया जाएगा, जो कृषि उत्पादों की गुणवत्ता और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, एक्सपोर्टर्स के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना की जाएगी, जहां कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग और पैकेजिंग की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

कार्बन क्रेडिट मार्केट और जैविक खेती

परियोजना के तहत, प्रदेश में जैविक खेती को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए एक विश्व स्तरीय कार्बन क्रेडिट मार्केट स्थापित किया जाएगा, जहां किसान अपनी जैविक खेती से उत्पन्न क्रेडिट्स को बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे। इस पहल से न सिर्फ किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी यह एक सकारात्मक कदम है।

मछली पालन और हैचरी की स्थापना

कृषि के साथ-साथ योगी सरकार मछली पालन के क्षेत्र में भी बड़ा निवेश कर रही है। परियोजना के अंतर्गत 2 से 3 विश्व स्तरीय हैचरी की स्थापना की जाएगी, जिससे मछली पालन को बढ़ावा मिलेगा और राज्य के मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि होगी। साथ ही, मछली पालन में तकनीकी सहायता और उन्नत प्रजातियों की मछलियों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 8 OCTOBER 2024

एयरपोर्ट को एनसीआर से जोड़ेंगी 100 ई-बसें

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू होने से पहले दिल्ली और एनसीआर के लिए 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी है। बसों के रूटों का निर्धारण इसी हफ्ते कर लिया जाएगा।

यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ ही बसों की संख्या भी बढ़ाकर 250 तक कर दी जाएगी। यमुना प्राधिकरण इन बसों का संचालन करेगा। साथ ही, प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टरों के लिए भी बसें चलेंगी। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि प्राधिकरण निजी बस कांट्रेक्टर से अनुबंध कर इलेक्ट्रिक बसें चलाएगा, ताकि प्रदूषण से भी बचाव हो और ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का सपना साकार हो सके। एयरपोर्ट के अंदर और बाहर दोनों जगहों पर इलेक्ट्रिक बसों का ही संचालन किया जाएगा। बसों की सुविधा एयरपोर्ट पर ट्रायल रन शुरू करने के साथ ही शुरू कर दी जाएगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU CHENNAI 7 OCTOBER 2024

Flights at some Iran airports suspended

Agence France-Presse
TEHRAN

Iran's aviation body on Sunday announced the cancellation of flights at some of the country's airports, citing "operational restrictions", state media reported as Israel vows to retaliate for an Iranian missile strike.

Because of those restrictions, "the flights at some airports of the country will be cancelled from 21:00 tonight (1730 GMT), Sunday, October 6, until 6:00 am tomorrow, October 7".

Iran on Tuesday launched 200 missiles on Israel, in what it said was retaliation for the killing of Tehran-aligned militant leaders in the region, along with a general in Iran's Revolutionary Guards.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE HINDU CHENNAI 7 OCTOBER 2024

Deserted look

Restricted space: A view of the Chennai Airport following the closure of airspace, in view of the Indian Air Force air show conducted as part of its 92nd anniversary celebrations on the Marina Beach on Sunday. B. VELANKANNI RAJ

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 8 OCTOBER 2024

जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए 250 ई-बसों का संचालन

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 7 अक्तूबर।

यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक बेहतर संपर्क व्यवस्था के लविए 250 ई बसों के संचालन की घोषणा की है। यह बसें ना केवल हवाई अड्डे को दिल्ली-एनसीआर से जोड़ेगी, बल्कि राजस्थान, हरियाणा और यूपी के 25 जिलों तक भी इसकी पहुंच सुनिश्चित करेगी।

सीईओ डा अरुणवीर सिंह ने बताया कि यह बसें निजी स्वामित्व में होंगी, लेकिन इनका संचालन यीडा द्वारा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य जेवर हवाई अड्डे को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधे जोड़ना है। जिससे यात्रियों को दोनों हवाई अड्डों के बीच यात्रा करने में मदद मिल सके। राजस्थान, हरियाणा और यूपी के 25 जिलों को जोड़ने वाली इस परियोजना से जेवर स्थित हवाई अड्डे तक पहुंच आसान होगी। इस योजना के तहत, प्रत्येक दस मिनट में एक बस उपलब्ध होगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 8 OCTOBER 2024

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 2030 तक 30 करोड़ तक पहुंच जाएगी : नायडू

नई दिल्ली, 7 अक्तूबर (भाषा)।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि भारत में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 2030 तक 30 करोड़ तक पहुंच जाने का अनुमान है। साथ ही हवाई अड्डों के विकास पर करीब 11 अरब डालर खर्च किए जा रहे हैं। 'फ्रेंच एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज एसोसिएशन' की ओर से राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस एक मजबूत वैश्विक एसएएफ आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एअरलाइंस अपने बेड़े के साथ-साथ तंत्र का भी विस्तार कर रही हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PIONEER DELHI 8 OCTOBER 2024

जेवर एयरपोर्ट पर स्थापित होगा एक्सपोर्ट हब

● कृषि उत्पादों के निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश के किसानों की आय, कृषि उत्पादकता एवं कृषि से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए यूपी एग्रीज परियोजना के तहत जेवर एयरपोर्ट के पास एक्सपोर्ट हब की स्थापना करने जा रही है। इसे विश्व बैंक की मदद से धरातल पर उतारा जाएगा। इसके अलावा विश्व स्तर पर 2 से 3 उपज का बड़े पैमाने पर निर्यात करने के लिए कृषि एसईजेड (स्पेशल इकॉनमिक जोन) की स्थापना की जाएगी। साथ ही, 2 से 3 विश्व स्तरीय हैचरी भी स्थापित की जाएगी। सीएम योगी ने यूपी एग्रीज योजना के तहत किसानों को कृषि क्षेत्र में ऋण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिये हैं। योगी सरकार का यह प्रयास प्रदेश के कृषि सेक्टर को पूरे देश का पावर हाउस बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के एग्रीकल्चर सेक्टर की तस्वीर बदलने एवं कृषि उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए हाल ही में उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल इंटरप्राइजेज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी एग्रीज) परियोजना को हरी झंडी दी है। इसके तहत कृषि उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए जेवर एयरपोर्ट के पास एक्सपोर्ट हब की स्थापना की जाएगी। इसके जरिये, हाई वैल्यू कृषि उत्पाद जैसे मूंगफली, सब्जी, काला नमक चावल, तिल आदि को विदेशों में एक्सपोर्ट किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मीट, बासमती चावल, फल-सब्जियां व खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर से जुड़े विभिन्न प्रकार के प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट उत्तर प्रदेश बड़े स्तर पर करता है। ऐसे में, कृषि उत्पादों के जरिये एक्सपोर्ट की प्रक्रिया को बढ़ाया जाएगा। इसके लिए यहां 30,750 क्लस्टर फार्मर्स ग्रुप को विकसित किया जाएगा। वहीं, एक्सपोटर्स के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना की जाएगी।यूपी एग्रीज परियोजना के तहत प्रदेश के कृषि उत्पाद की 2 से 3 उपज को बड़े पैमाने पर निर्यात करने के लिए कृषि (स्पेशल इकोनॉमी जोन) एसईजेड की स्थापना की जाएगी, जो फॉरवर्ड लिंकेज और निर्यात बाजारों के बड़े हिस्से पर कब्जा करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इन्हें प्रदेश के 11 जिलों में विकसित किया जाएगा। इनमें काला नमक चावल के लिए सिद्धार्थनगर और गोरखपुर में एसईजेड की स्थापना की जाएगी। वहीं मूंगफली के लिए झांसी, उरद के लिए ललितपुर, सब्जियों के लिए जौनपुर, भदोही, बनारस, गाजीपुर और बलिया में एसईजेड की स्थापना की जाएगी। परियोजना के तहत अगले पांच वर्षों में प्रदेश की प्रमुख फसलों की उत्पादकता में 30 से 50 प्रतिशत की वृद्धि के लिए व्यापक कदम उठाए जाएंगे। इससे किसानों की आय में कम से कम 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी होगी। इसके अलावा, जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक विश्व स्तरीय कार्बन क्रेडिट मार्केट की स्थापना की जाएगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PIONEER DELHI 8 OCTOBER 2024

भारत के घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 2030 तक 30 करोड़ तक पहुंच जाएगीः नायडू

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि भारत में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 2030 तक 30 करोड़ तक पहुंच जाने का अनुमान है। साथ ही हवाई अड्डों के विकास पर करीब 11 अरब डॉलर खर्च किए जा रहे हैं। फ्रेंच एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (जीआईएफएएस) की ओर से राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस एक मजबूत वैश्विक एसएएफ (सतत विमानन ईंधन) आपूर्ति श्रृंखलाविकसित करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एयरलाइंस अपने बेड़े के साथ-साथ तंत्र का भी विस्तार कर रही हैं। नायडू ने कहा कि 2030 तक घरेलू हवाई यात्री यातायात 30 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि अगले 20-25 वर्षों में 200 और हवाई अड्डों के विकसित होने की उम्मीद है। भारत में वर्तमान में 157 हवाई अड्डे, हेलीपोर्ट और वॉटरड्रोम हैं। 2025 के अंत तक चालू हवाई अड्डों की संख्या 200 तक पहुंचने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच साझेदारी की संभावनाएं अपार हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RASHTRIYA SAHARA DELHI 8 OCTOBER 2024

वर्ष 2030 तक भारत में होंगे 30 करोड़ घरेलू हवाई यात्री

■ अगले 20 से 25 वर्षों में देश में बनेंगे 200 नए एयरपोर्ट ■ मौजूदा समय में देश में चालू हालत में कुल 157 एयरपोर्ट

नई दिल्ली (भाषा)।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि भारत में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 2030 तक 30 करोड़ तक पहुंच जाने का अनुमान है। साथ ही हवाई अड्डों के विकास पर करीब 11 अरब डॉलर खर्च किए जा रहे हैं।

'फ्रेंच एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज एसोसिएशन' (जीआईएफएएस) की ओर से राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस एक मजबूत वैश्विक एसएएफ (सतत विमानन ईंधन) आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एयरलाइंस अपने बेड़े के साथ-साथ तंत्र का भी विस्तार कर रही हैं। नायडू ने कहा कि 2030 तक घरेलू हवाई यात्री यातायात 30 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि अगले 20-25 वर्षों में 200 और हवाई अड्डों के विकसित होने की उम्मीद है।

भारत में वर्तमान में 157 हवाई अड्डे, हेलीपोर्ट और वॉटरड्रोम हैं। 2025 के अंत तक चालू हवाई अड्डों की संख्या 200 तक पहुंचने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच साझेदारी की संभावनाएं अपार हैं।

फ्रांस, भारत वैमानिकी संकुल विकसित करेंगे

नई दिल्ली (भाषा)। भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ ने सोमवार को कहा कि फ्रांस और भारत एयरोस्पेस क्षेत्र में अपने सहयोग को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं और उनकी एक वैमानिकी संकुल (एयरोनॉटिक्स क्लस्टर) विकसित करने की योजना है। 'फ्रेंच एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज एसोसिएशन' (जीआईएफएएस) द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी न केवल रणनीतिक बल्कि सार्वभौमिक है। भारत और फ्रांस के बीच एयरोस्पेस, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी है।उन्होंने कहा कि 2024 की पहली छमाही में फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनियों का देश में निर्यात 2.7 अरब यूरो रहा।

भारत से ज्यादा कलपुर्जे खरीदेगी एयरबस

नई दिल्ली (भाषा)। विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गिलाउमे फाउरी ने कहा कि वह भारत से कलपुर्जों की खरीद बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि एयरबस ने 2019-24 के दौरान भारत से कलपुर्जों और सेवाओं की खरीद को दोगुना कर दिया है। गौरतलब है कि इस यूरोपीय कंपनी को इंडिगो और एयर इंडिया से बड़ी संख्या में विमानों के ऑर्डर मिले है। भारत में कंपनी के 100 से अधिक आपूर्तिकर्ता है। फाउरी ने सोमवार को दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि भारत में काफी अवसर है। वह फ्रेंच एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (जीआईएफएएस) के चेयरमैन भी है। उन्होंने कहा, 'हम (कलपुर्जों की खरीद) बढ़ाना जारी रखेंगे। हम हर पांच साल में, यानी आने वाले दशक की शुरुआत तक इसे दोगुना करेंगे।' कंपनी भारत से सालाना दो अरब अमेरिकी डालर की खरीद करती है। फाउरी ने कहा कि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ता विमानन बाजार है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

SWATANTRA BHARAT LUCKNOW 7 OCTOBER 2024

चेन्नई एयर पोर्ट पर बचा हादसा

चेन्नई। चेन्नई हवाई अड्डे पर एक बड़ा हादसा होने से बच गया। यहां एक मस्कट से 146 यात्रियों को लेकर चेन्नई आ रहे एक विमान का शनिवार को यहां अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरते समय टायर फट गया। चेन्नई हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि विमान अभी उतरा ही था कि पीछे का एक टायर फट गया। विमान की वापसी यात्रा रद्द कर दी गई है और सभी यात्रियों को शहर के विभिन्न होटलों में ठहराया गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

SWATANTRA BHARAT LUCKNOW 7 OCTOBER 2024

ये हैं दुनिया के सबसे खतरनाक हवाई अड्डे

ये हवाई अड्डे दुनिया के सबसे खतरनाक एयरपोर्ट माने जाते हैं। इसलिए इन एयरपोर्ट से जाने से पहले सौ बार लोग सोचते हैं। ये हवाई अड्डे क्यों खतरनाक माने जाते हैं, इसके पीछे कई कारण शामिल हैं। ये हवाई अड्डे ऐसे क्षेत्रों में स्थित हैं जहां गंभीर मौसम की स्थिति होती है, जिससे उड़ान में बाधा आ सकती है। इसके अलावा, रनवे भी काफी संकरे हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। हम आपको इन्हीं एयरपोर्ट के बारे में बताएंगे।

भुंतार हवाई अड्डा स्थान- भारत
निर्माण का वर्ष- 1995
जोखिम कारक- ट्रैक, स्थान
भुंतार हवाई अड्डा, जिसे कुल्लू हवाई अड्डा के नाम से भी जाना जाता है, में केवल 3,566 फीट का एक रनवे है। हालांकि, इस हवाई अड्डे की चुनौतियां केवल रनवे की लंबाई से ही सीमित नहीं हैं। ऊंचे पहाड़ों से घिरी एक घाटी में स्थित होने के कारण, उतरने वाले पायलटों को आसपास के इलाके में घूमने में काफी कठिनाई होती है।

तेंजिंग-हिलरी हवाई अड्डा स्थान- नेपाल
निर्माण का वर्ष- 1964
जोखिम कारक- ऊंचाई
इसे लुक्ला हवाई अड्डा या माउंट एवरेस्ट हवाई अड्डा के रूप में भी जाना जाता है। तेंजिंग-हिलरी हवाई अड्डा अल्टिपोर्ट है, जो छोटे विमानों के लिए इस्तेमाल किया जाता है और आमतौर पर खड़ी रनवे वाले पहाड़ी इलाके में स्थित होता है। हालांकि, यहां से व्यू काफी मनमोहक नजर आता है, लेकिन इसका रनवे काफी ऊंचाई पर स्थित होने की वजह से काफी खतरनाक माना जाता है। इसलिए यहां सिर्फ अनुभवी पायलट ही विमान उड़ा सकते हैं और वो भी सिर्फ दिन के समय।

कोर्टशेवेल अल्टिपोर्ट स्थान- फ्रांस
निर्माण का वर्ष- 1962
जोखिम कारक- रनवे का स्थान
फ्रेंच आल्प्स में 6,588 फीट की ऊंचाई पर स्थित कोर्टशेवेल अल्टिपोर्ट पर उतरना काफी खास अनुभव हो सकता है। लेकिन मनोरम दृश्यों के बावजूद, इस स्थान पर उड़ान भरने में काफी जोखिम है क्योंकि रनवे केवल 1,762 फीट का है। साथ ही गो-अराउंड प्रक्रियाओं और लाइट हेल्प न होने की वजह से ये और खतरनाक माना जाता है।

बारा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थान- स्कॉटलैंड
निर्माण का वर्ष- 1936
जोखिम कारक- समुद्र तट पर ट्रैक
बारा द्वीप के उत्तर में स्थित यह हवाई अड्डा दुनिया में एकमात्र ऐसा हवाई अड्डा है जहां सीधे समुद्र तट पर उड़ान और लैंडिंग दोनों होती हैं। इस अनूठी व्यवस्था के कारण एक खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है, क्योंकि सभी हवाई गतिविधियां समुद्र के ज्वार-भाटा से काफी प्रभावित होती हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASSAM TRIBUNE GUWAHATI 7 OCTOBER 2024

IndiGo doubles flights between Aizawl, Delhi

AIZAWL, Oct 6: Low-cost carrier IndiGo has doubled the number of flights between Delhi and Aizawl from Saturday to enhance connectivity between the two cities, an official said.

The airline has increased the frequency of its flights from five to 10 per week between the two cities, he said.

The airline will operate flights every day and there will be additional flight services (two flights) on Wednesdays, Fridays and Sundays, the official said on Sunday.

Chief Minister Lalduhoma flagged off the airline's flights from Lengpui airport near Aizawl on Saturday and distributed boarding passes to passengers, he said. – PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA | DELHI | 8 OCTOBER 2024

विमान ने हवा में तीन बार लगाया गोता, यात्रियों की निकलीं चीखें

लखनऊ। अमृतसर से लखनऊ आ रही इंडिगो की फ्लाइट एयर टर्बुलेंस का शिकार हो गई। अमौसी एयरपोर्ट पर उतरने से पहले विमान ने हवा में तीन गोते लगाए, जिससे यात्रियों की चीखें निकल पड़ीं। इंडिगो के विमान 6 ई 6165 ने अमृतसर से दोपहर 12.19 बजे टेकऑफ किया। इसे दोपहर 1.55 बजे अमौसी पर लैंड करना था। विमान में सवार रेलवे के सेवानिवृत्त अधिकारी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वह पत्नी साधना के साथ आ रहे थे। अचानक विमान काफी ऊंचाई से नीचे आ गया, फिर उसे सीधा ऊपर उठा दिया गया। ऐसा तीन बार किया गया। इससे यात्री चीखने लगे, महिलाएं रोने लगीं। लगेज बॉक्स खुल गए और सामान गिर गया। कई यात्रियों की तबीयत गड़बड़ा गई। पायलट ने विमान को सकुशल एयरपोर्ट पर लैंड करवाया। संवाद

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 8 OCTOBER 2024

बोइंग-737 विमान की उड़ानों पर डीजीसीए ने किया आगाह

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने बोइंग-737 विमान इस्तेमाल करने वाली देश की सभी एयरलाइंस को रडर (स्टीयरिंग व्हील) नियंत्रण प्रणाली जाम होने के संभावित जोखिम को लेकर आगाह किया है। डीजीसीए ने सोमवार को यह परामर्श अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) की हालिया जांच रिपोर्ट आने के बाद जारी किया। उस रिपोर्ट में कोलिंस एयरोस्पेस एसबीओ-730 रडर नियंत्रण प्रणाली से लैस बोइंग-737 विमानों को लेकर सुरक्षा चिंता जाहिर की गई है।

नागर विमानन महानिदेशालय ने रडर नियंत्रण प्रणाली जाम होने के संभावित जोखिम को देखते हुए घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए सुरक्षा सिफारिशें जारी की हैं। इस समय एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्पाइसजेट एयरलाइन बोइंग-737 विमानों का इस्तेमाल कर रही हैं। डीजीसीए ने कहा कि सभी उड़ान कर्मचारियों को रडर नियंत्रण प्रणाली के जाम या प्रतिबंधित होने की आशंका को लेकर एक परिपत्र/ सलाह जारी की जानी चाहिए। चालक दल के सदस्यों को ऐसी स्थिति की पहचान करने और उसे संभालने में मदद करने के लिए उचित कदम के बारे में बताया जाना चाहिए। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 8 OCTOBER 2024

No changes to pilot duty time rules, says DGCA

Aneesh Phadnis
Mumbai

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) is not amending the duty time regulation of pilots which has divided airlines and unions.

In January, the civil aviation regulator revised the regulation governing duty hours of pilots. The revision included increasing the weekly rest period from 36 to 48 hours. While pilots largely welcomed the changes, airlines resisted it as it would increase staff requirements and raise costs.

The revised rules were originally to take effect on June 1. However, their implementation was put on hold due to airlines objections.

Last week, a media report said that the government is working to revise duty time regulations to make it practical for both airlines and pilots. A senior DGCA official however denied plans to amend the regulation. Asked about its implementation, the official said it would be premature to comment as the issue is subjudice. In July, Additional Solicitor General Aishwarya Bhati informed the Delhi High Court that the new regulations may not be implemented in 2024. The matter will be heard next on October 23.

NO REST IN SIGHT. The DGCA revision included increasing the weekly rest period from 36 to 48 hours

The issue before the court is the validity of an earlier regulation introduced in 2019. The regulation remains effective now, as the 2024 version has been put on hold. The Indian Pilots Guild and Indian Commercial Pilots Association challenged a regulation introduced in 2019 on the grounds that it did not adequately address the issue of work-related fatigue. The unions contended that the regulation was not based on scientific principles and sought fresh rules after consulting with all stakeholders.

INADEQUATE RULES

"Though the 2024 regulation is an improvement over the 2019 regulation, it too has been framed without any scientific study and continues to fall short in some crucial areas relating to fatigue management, like allowing consecutive night duties," said advocate Bharat Gupta, counsel of the Indian Commercial Pilots Association.

Pilots are also objecting to certain clauses in 2024 regulations pertaining to "mixed duty," ultra-long range operations and others. Mixed duty is considered when a pilot is called to carry out duties in advance of the stipulated reporting time for flights. Pilots believe this could be misused and allow operators to reduce the mandatory minimum rest period before flights.

Pilots have also called for bunk beds in aircraft that recline at an angle of 180 degrees. The 2024 regulation allows airlines to provide bunk beds that will enable a flat or a near-flat sleeping position with a recline of at least 80 degrees.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 8 OCTOBER 2024

Govt to pump in $11 b for building, expanding airports: Civil Aviation Minister

Dalip Singh
New Delhi

By the end of 2030, the domestic air passenger traffic is projected to reach up to 300 million and the government is in the process of pumping around $11 billion for the construction of new airports and expansion of the existing ones, Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu said in his address at the India and France Seminar on Monday.

The number of airports has doubled in India in the last year, from 74 to 157, Naidu told the gathering of visiting French aerospace industry association (GIFAS) delegation to give a sense into the scaling up of the aviation infrastructure.

The number of operational airports, stated the Minister, is expected to reach 200 by the end of 2025.

"We are on the path to establish another 200 airports in coming 20 to 25 years and the number will go up to 300 to 400. And if you look at other figures, the domestic air passenger in India has grown by 2.2 times in just the last ten years alone. The fleet size of scheduled airlines doubled to around 800 with the airlines placing order for 1,200 aircrafts in the coming years," the Civil Aviation Ministry pointed out.

The major beneficiary would be India and France itself, he pointed out as Air India and Indigo together have placed orders for nearly 1,500 aircrafts.

"I can proudly say that India is the third largest domestic aviation market in the world and one of the fastest growing aviation markets also in the world. No nation in the world is buying aircrafts as India," he stated.

K Rammohan Naidu, Civil Aviation Minister

He also shared other policy initiatives of the Modi government to push the aviation industry, including the rationalisation of the GST upto 5 percent on aircraft components for strengthening the MRO landscape, enlarging regional conectivity and green initiatives to cut down carbon footprints in the sector.

INDO-FRENCH TIES

To boost cooperation in the aerospace sector, France and India are planning to develop an aeronautics cluster, French Ambassador to India Thierry Mathou, who was also among one of the speakers at the seminar, said.

The French side is working with the Civil Aviation Ministry for the aeronautics cluster.

Insisting that the partnership between the two countries is not just "strategic" but "universal", Thierry Mathou stated the exports of French aerospace companies to the country stood at €2.7 billion in the first half of 2024.

A GIFAS delegation of over 100 representatives from 60 French companies arrived New Delhi on Monday and over the next few days they would interact with individual companies as well as leading government organisation, like the ISRO and the DRDO, to deepen cooperation with India in the defence and aerospace industry.

An MoU was also signed between the GIFAS and Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry (FICCI) to explore industrial opportunities in both the countries. The other partners from the India in this grouping is the SIDM and Indian Space Association.

Guillaume Faury, Chairman of GIFAS and CEO of Airbus, also spoke at the seminar and later addressed a press conference along with his two other colleagues from the association and said his company is "engaged" and "active discussions" are on for a "complex project" of six Airborne Early Warning and Control (AEW&C) for the Indian Air Force.

The defence cooperation between India and France is also special and technically remains as the corner stone of the bilateral relations, pointed out Maj General Dayal.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 8 OCTOBER 2024

DGCA orders safety risk assessment for Boeing 737s

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Monday asked Indian carriers to conduct a safety risk assessment of their Boeing 737 aircraft, equipped with Collins Aerospace's rudder control system. Moreover, the regulator temporarily barred these specific Boeing 737 (also called B737) planes from conducting landings using advanced Category III B instrument approaches, which allow aircraft to land in very low visibility. In a statement, DGCA mentioned that it has taken cognisance of the recent investigation report by the United States National Transportation Safety Board (NTSB), which highlights safety concerns about B737 planes equipped with "Collins Aerospace SVO-730 Rudder Rollout Guidance Actuators".

BS REPORTER

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 8 OCTOBER 2024

Airbus CEO Guillaume Faury

INDIA CAN HELP BOOST OUTPUT: AIRBUS CEO

DEEPAK PATEL
New Delhi, 7 October

The "main" challenge Airbus faces today is scaling up aircraft production, and India can help "debottleneck" this process by becoming a more integral part of the supply chain, its Chief Executive Officer (CEO) Guillaume Faury said on Monday.

Faury was addressing a press conference after an event organised by French Aerospace Industries Association (GIFAS), an industry body comprising 482 French companies.

Owing to shortage of engine and other components, Airbus had in June reduced its 2024 delivery target from about 800 to 770 airplanes. Moreover, the company had in June delayed its goal of producing 75 narrow-body aircraft per month from 2026 to 2027.

Asked about his plans to set up a final assembly line (FAL) for commercial planes in India, he said that the FAL is just the tip of the iceberg and it is not a "limiting factor". He mentioned that the "limiting factor" is the supply of large equipment, which has been affected due to fragile supply chains at the lower end of the pyramid.

Faury stated that there are "plenty" of opportunities for companies around the world when it comes to becoming part of the supply chain related to aircraft manufacturing.

"In my view, India, in particular, can contribute to debottlenecking the supply chain in today's environment, which again is not limited by the (existence or non-existence of) FAL. Actually, today, at Airbus, we are oversized in terms of the FAL system. And, we can't be taking more orders knowing that we are fully booked," said Faury, who is the chairman of GIFAS.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 7 OCTOBER 2024

इंडिगो का परिचालन घंटों की दिक्कत के बाद सुधरा

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो का परिचालन रविवार को सामान्य हो गया। तकनीकी खामी के कारण कंपनी के यात्रियों को हवाई अड्डों पर घंटों इंतजार करना पड़ा था। शनिवार रात कंपनी ने अपना परिचालन सामान्य होने की जानकारी दी। निजी विमानन कंपनी रोज 2,000 से अधिक उड़ानों का परिचालन करती है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE DAILY GUARDIAN DELHI 7 OCTOBER 2024

Delhi-London flight diverted to Copenhagen

TDG NETWORK
NEW DELHI

An Air India flight from Delhi to London was diverted to Copenhagen on Sunday due to a medical emergency, according to an airline official.

A male passenger who was feeling ill was de-planed at Copenhagen (Denmark) and taken to a local hospital for medical attention. Later, the flight departed for London, the airline official said.

"Our ground colleagues at Copenhagen airport did their best to minimise inconvenience caused to all the guests due to the diversion," the official added.

Flights, usually, can be diverted due to medical emergencies. When a passenger experiences a serious health issue, the flight crew may assess the situation and decide to land at the nearest airport where medical assistance is available.

The decision to divert is typically based on the severity of the medical emergency and the ability of the crew to manage it in-flight. Regulations and protocols vary by country and airline, but most airlines have procedures in place for these situations, often involving consultation with medical professionals on the ground.

In terms of legal considerations, airlines are generally required to prioritize passenger safety and well-being. This may include obligations under international aviation laws and regulations. Depending on the circumstances, the airline might also be liable for any costs related to the diversion, including medical care and rebooking for affected passengers.

A male passenger who was feeling ill was de-planed at Copenhagen (Denmark) and taken to a local hospital for medical attention. Later, the flight departed for London, the airline official said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 8 OCTOBER 2024

DGCA Bars Landings in Low Visibility on Boeing 737 Planes

Airlines told to train pilots for a scenario in which rudder control is suboptimal

Our Bureau

New Delhi: India's civil aviation regulator has asked airlines with Boeing 737 planes not to do landings in visibility of less than 150 feet and to train the pilots concerned for a scenario in which rudder control is suboptimal.

This directive from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) comes after the National Transport Safety Board (NTSB), the accident investigator of the US, issued an urgent safety alert last week for a potential rudder failure in the 737 aircraft.

The incident was discovered after a United Airlines Boeing 737 Max 8 experienced "stuck" rudder pedals while landing at Newark Liberty International Airport in February.

DGCA's advisory will not immediately impact any airline as low visibility conditions with visual range as low as 150 feet is not prevailing in the country, say experts. However, if the issue is not sorted before the foggy days of December, airlines may face challenges with some of their planes barred from operating from the Delhi Airport.

This, NTSB determined, was due to a failure of a component called rollout guidance actuator, that moves the rudder. It's made by Collins Aerospace, a unit of aerospace giant RTX.

In India, Air India Express, Akasa Air and SpiceJet operate the aircraft. While SpiceJet said that it has no planes fitted with the component under scanner, Akasa and Air India Express have said that they are in communication about the possible steps required. Akasa hasn't been approved by DGCA yet for landings in such low visibility conditions.

People aware of the development said that Boeing is yet to tell its Indian customers which and how many planes are fitted with the component. A Boeing spokesperson said that the system includes layers of redundancy and it is working to develop additional guidance to address the potential condition

NTSB had said that potentially faulty parts may be installed on aircraft in service operated by at least 40 foreign airlines. In addition, a further 75 potentially bad parts were sent directly to airlines as spares and may currently be in service.

Indian airlines are also required to include specific exercises in recurrent training sessions that stimulate scenarios involving jammed or restricted rudder control systems.

Discussions on potential rudder control system issues must also be included as a mandatory topic in recurrent training sessions, as per the DGCA.

REUTERS

A Boeing 737 MAX at the company's plant in Renton, US

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIME DELHI 8 OCTOBER 2024

Airbus to Increase Sourcing Parts from India, says CEO

Country can help in 'debottlenecking' supply chain, says Guillaume Faury

Our Bureau

New Delhi: Airbus plans to double sourcing of components from India every five years, CEO Guillaume Faury said on Monday, as the European aerospace giant seeks to optimise operations to cater to an expanding aircraft order book. "We will be continuing to grow (sourcing of components)...We will continue to double around every five years, that is in the next decade to come. It is a stable pace," Faury told reporters on the sidelines of an event of French Aerospace Industries Association (GIFAS).

He said Airbus doubled sourcing of components and services from India to €1 billion during 2019-2024. Faury said India can help "debottleneck" the supply chain by becoming a more integral part of Airbus' global supply chain as the company is facing a severe supply chain crisis, forcing it to decline many potential aircraft orders due to its inability to fulfil them.

"In my view, India, in particular, can contribute to debottlenecking the supply chain in today's environment, which again is not limited by the (existence or non-existence of) FAL (final assembly line). Actually, today, at Airbus, we are oversized in terms of the final assembly line system. And we can't be taking more orders knowing that we are fully booked," he said. Indian carriers IndiGo, Air India and Akasa have placed orders for nearly 1,700 planes with Airbus and US aircraft maker Boeing. Aviation consultancy CAPA forecast the total order book of Indian airlines to swell to about 2,000 by March 2025.

The growing order book of Indian carriers has made global aerospace suppliers augment sourcing from India.

Airbus is currently partnering with the Tata Group to establish India's FAL for civil helicopters in the country.

Bengaluru-based Dynamatics Technologies, which recently won a contract from Airbus to manufacture all doors for the A220 family of aircraft, said India will be a favourable choice for global manufacturers due to its large pool of engineers.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 8 OCTOBER 2024

ADVISORY ISSUED OVER JAMMED RUDDER CONTROL SYSTEM

DGCA cautions airlines over potential risk in Boeing 737s

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, October 7

AVIATION REGULATOR DGCA on Monday issued an advisory to Indian airlines operating Boeing 737 planes regarding the potential risk of a jammed rudder control system.

The move follows the recent probe report by the US National Transportation Safety Board (NTSB) that highlighted safety concerns involving Boeing 737 aircraft lanes equipped with Collins Aerospace SVO-730 Rudder Rollout Guidance Actuators.

Against the backdrop of the potential risk of a jammed or restricted rudder control system, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued safety recommendations to the Indian carriers.

Currently, Air India Express, Akasa Air and SpiceJet operate Boeing 737 planes.

In August, Boeing informed affected operators of 737 planes about the potential condition with the rudder rollout guidance actuator.

"The advisory regarding the Boeing 737 rudder system is applicable to only five of the aircraft in our fleet. We have initiated the process of compliance in adherence to the regulatory requirements." the Air India Express spokesperson said.

A SpiceJet spokesperson said none of its Boeing 737 NG aircraft are impacted.

DGCA said all flight crews are to be informed through a circular/advisory regarding the possibility of a jammed or restricted rudder control system.

"Appropriate mitigations must be communicated to help crews identify and handle such a situation," it added.

Further, all operators have been asked to conduct a safety risk assessment for aircraft to evaluate and mitigate the risk associated with the rudder control system.

VIGILANT

- Crew members to be informed via a circular regarding the possibility of a jammed or restricted rudder control system
- **The move follows the recent probe report by the US National Transportation Safety Board**
- The board highlighted safety concerns involving Boeing 737 aircraft lanes equipped with Collins Aerospace SVO-730 Rudder Rollout Guidance Actuators
- Air India Express, Akasa Air and SpiceJet operate Boeing 737 planes
- SpiceJet said none of its Boeing 737 NG aircraft are impacted

Airbus to source more parts from India: CEO

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, October 7

AIRBUS WILL INCREASE sourcing of components from India, which offers plenty of opportunities, according to the aircraft maker's CEO Guillaume Faury.

The European major, which has bagged huge aircraft orders from IndiGo and Air India, doubled its sourcing of components and services from India to 1 billion euros during the period from 2019-2023, he said.

The company has more than 100 suppliers in India.

At a press briefing on Monday, Faury, who is also the Chairman of the French Aerospace Industries Association (GIFAS), said there are plenty of opportunities in India. "We will be continuing to grow (sourcing of components)... We will continue to double around every 5 years, that is in the next decade to come. It is a stable pace," he said.

Guillaume Faury, CEO, Airbus

In 2023, for the first time, there was more equipment to be placed on aircraft, helicopters than IT services. The lines have crossed, he added.

Companies that are part of GIFAS make procurement worth $2 billion annually from India. Meanwhile, Airbus has an order book for around 8,600 aircraft and expects to produce about 770 planes this year.

IndiGo and Air India together have placed orders for more than 1,000 planes with Airbus.

About the Indian market, Faury said it is the fastest growing civil aviation market in the world and there is also fierce competition among airlines.

A high-level delegation of GIFAS, with more than 60 companies and over 100 people, is on a visit to India as they look to further boost partnerships and business opportunities between the two countries.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 7 OCTOBER 2024

NEW DELHI

IndiGo back to normal

IndiGo's operations were back to normal on Sunday, a day after systems outage at the airline resulted in long waiting hours for passengers at airports. The airline operates more than 2,000 flights daily. An airline official on Sunday said operations were normal. The outage on Saturday lasted for many hours, and systems were back to normal late in the night.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 8 OCTOBER 2024

बोइंग 737 विमानों को लेकर चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। विमानन नियामक डीजीसीए ने सोमवार को बोइंग 737 विमानों का परिचालन करने वाली भारतीय एयरलाइनों को चेतावनी जारी की। जिसमें उसने दिशा नियंत्रण प्रणाली के जाम होने के संभावित खतरे के बारे में आगाह किया है।

यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) की हालिया जांच रिपोर्ट के बाद जारी की गई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रडर नियंत्रण प्रणाली के जाम होने के संभावित जोखिम को देखते हुए घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए सुरक्षा सिफारिशें जारी की हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 8 OCTOBER 2024

एयरबस भारत से और अधिक कलपुर्जे खरीदेगी

नई दिल्ली। विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी गिलाउमे फाउरी ने कहा कि वह भारत से कलपुर्जों की खरीद बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि एयरबस ने 2019-24 के दौरान भारत से कलपुर्जों और सेवाओं की खरीद को दोगुना कर दिया है। गौरतलब है कि इस यूरोपीय कंपनी को इंडिगो और एयर इंडिया से बड़ी संख्या में विमानों के ऑर्डर मिले हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 7 OCTOBER 2024

Didn't notify anyone: Tillotama criticises airline after a nine-hour delay

Actor Tillotama Shome, who was to board a Mumbai to London flight on Sunday, took to X to raise a grievance about the 8.5 hour delay. The actor, who was travelling with a patient, set to receive treatment at a London hospital, wrote, "AI 129. @airindia flight to Heathrow. Delayed as of now from 5.15 am to 10am. No message, no calls from the airlines to notify passengers of the delay. Upon contacting AI, all they can say is sorry...(sic)."

"@airindia WHY do you NOT inform your customers that your flight is delayed and that too by 8.5 hours?! Not one message, not one call (sic)," the 45-year-old actor added.

In response, the airline staff shared, "Everything to minimise the inconvenience. For any real-time assistance, the passengers are requested to reach out to them."

In another post, Shome tagged Air India and Directorate General of Civil Aviation India, alleging that the passengers were provided no hotel to sleep in, and no alternative flight options as well, given their luggage was already checked in.

Responding to the same, Shome told the airline to suspend operations "until you get your act together". "@DGCAIndia what is the way forward? How are we being compensated for this delay? Awaiting your response. Sincerely, A concerned and exhausted citizen (sic)," she wrote.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 8 OCTOBER 2024

DGCA warns airlines over faulty rudder in Boeing 737

Neha LM Tripathi
neha.tripathi@htlive.com

NEW DELHI: The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Monday issued a warning to Indian airlines operating Boeing's 737 aircraft over potential risk from a faulty rudder control system. Three Indian airlines have B737 aircraft, Air India Express, Akasa Air and SpiceJet, although it wasn't clear how many were fitted with the defective part.

DGCA's statement came after it took cognizance of a recent US National Transport Safety Board (NTSB) Aviation Investigation Report, which highlighted safety concerns in Boeing 737 airplanes equipped with Collins Aerospace SVO-730 Rudder Rollout Guidance Actuators.

NTSB is investigating a February 6, 2024, incident in which the rudder pedals on a United Airlines Boeing 737-8 MAX were stuck in the neutral position while landing at Newark Liberty International Airport. Its investigation has found that over 350 actuators supplied by Collins were defective.

In its statement, DGCA asked airlines to issue advisories and circulars to all its flight crew members regarding the possibility of a jammed or restricted rudder control system. "Appropriate mitigations must be communicated to help crews identify and handle such a situation," the regulator told the airlines.

The rudder is used to control the direction of the aircraft.

"These interim measures aim to enhance safety and ensure that flight crews are well-prepared to handle potential Rudder control issues effectively, pending further detailed operational guidance to be issued by Boeing/FAA," DGCA's statement added.

DGCA has asked the airlines to conduct a Safety Risk Assessment for aircraft. REUTERS

The regulator has also asked the airlines to conduct a Safety Risk Assessment for aircraft to evaluate and mitigate the risk associated with the rudder control system.

In its statement, it asked airlines to discontinue Category III B approach, landing, and rollout operations until further notice. Cat III B refers to a precision approach and landing method.

"Discussion about potential Rudder control system issues must be included as a mandatory topic in Recurrent Training sessions and Instrument Rating/ Proficiency Checks (IR/PPC) during Pre-Simulator Briefings," the regulator said.

Boeing spokesperson said, "We thank the NTSB for their ongoing investigation and are reviewing their recommendations. In August, we informed affected 737 operators of a potential condition with the rudder rollout guidance actuator, which is part of an optional autoland system. The autoland system includes layers of redundancy and we are working with our supplier to develop additional guidance to address the potential condition. We will keep our regulator informed of our progress. We will also ensure flight crews have the appropriate operating procedures."

A SpiceJet spokesperson said: "None of our Boeing 737 NG aircraft are impacted."

"The advisory regarding the Boeing 737 rudder system is applicable to our fleet. We have initiated the process of compliance in adherence to the regulatory requirements," an Air India Express Spokesperson said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 8 OCTOBER 2024

DGCA issues advisory over potentially faulty rudder control systems in Boeing 737s

ENS ECONOMIC BUREAU
NEW DELHI, OCTOBER 7

FOLLOWING SAFETY concerns flagged by the US National Transportation Safety Board (NTSB) regarding Boeing 737 aircraft equipped with potentially faulty rudder control systems, India's aviation safety regulator Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued safety recommendations to all Indian airlines that operate the Boeing 737–Air India Express, Akasa Air, and SpiceJet. The measures include safety risk assessment of the aircraft.

"All flight crews are to be informed through a circular/advisory regarding the possibility of a jammed or restricted Rudder control system. Appropriate mitigations must be communicated to help crews identify and handle such a situation," the DGCA said in a statement on Monday.

"All operators must conduct a Safety Risk Assessment for aircraft to evaluate and mitigate the risk associated with the Rudder control system," the regulator added.

On September 27, the NTSB had issued urgent safety recommendations on potential for a jammed rudder control system on some Boeing 737 aircraft following its investigation into a February incident of stuck rudder pedals on a United Airlines Boeing 737 MAX 8 aircraft.

The rudder is a primary flight control surface that controls the rotation about the vertical axis of the aircraft, a movement referred to as yaw.

In the NTSB probe, it was discovered that the problem was with a component—the SVO-730 rudder rollout guidance actuator manufactured by Collins Aerospace. The manufacturer discovered that a bearing was incorrectly assembled during the production of the actuators. According to the NTSB, over 350 actuators delivered to Boeing by Collins Aerospace since 2017 were affected by this flaw. The probe findings led the NTSB to issue urgent safety recommendations. To be sure, not all Boeing 737 aircraft are fitted with this actuator. It is not clear as to how many aircraft in India might have this potentially faulty part.

The Indian airlines have also been asked by the DGCA to discontinue CAT III B approach, landing, and rollout operations until further notice. The CAT III B system facilitates low-visibility landings. The potentially faulty actuators are installed only on Boeing 737NG and 737 MAX aircraft equipped for CAT III B operations, per the NTSB.

The Indian carriers are also required to indude specific exercises in recurrent training sessions that stimulate scenarios involving jammed or restricted rudder control system. Discussions on potential rudder control system issues must also be included as a mandatory topic in recurrent training sessions.

"Appropriate flight crew responses and mitigations should be practiced during these exercises. These interim measures aim to enhance safety and ensure that flight crews are well-prepared to handle potential Rudder control issues effectively, pending further detailed operational guidance to be issued by Boeing/FAA (US Federal Aviation Administration)," the DGCA said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 8 OCTOBER 2024

Domestic air passenger traffic to touch 300 mn by 2030: Naidu

New Delhi: India's domestic air passenger traffic is projected to touch 300 million by 2030 and about $11 billion is being spent to develop airports, Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu said on Monday.

The minister also said India and France can work together to develop a robust global sustainable aviation fuel supply chain. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 8 OCTOBER 2024

डीजीसीए ने एयरलाइंस को दी सलाह

जाम हुए रडर नियंत्रण से संभावित खतरे के बारे में चेताया

मुंबई, एजेंसी। बोइंग 737 विमान संचालित करने वाली भारतीय विमानन कंपनियों नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से खास निर्देश दिए गए है। भारतीय एयरलाइनों को अंतरिम सुरक्षा सिफारिशें जारी करने के लिए उनसे रडर नियंत्रण प्रणाली से जुड़े जोखिमों का आकलन करने को कहा गया है। इसके साथ ही इस जोखिम को कम करने के लिए मुल्यांकन करने के लिए भी कहा गया है। विमानन नियामक की यह सलाह अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) द्वारा 26 सितंबर को दी गई चेतावनी के कुछ दिनों बाद आई है। इस चेतावनी में कहा गया है कि बोइंग 737 के कुछ विमानों में रडर नियंत्रण प्रणाली को जाम करने वाले कुछ नकारात्मक विमानों में रडर नियंत्रण प्रणाली को जाम करने वाले कुछ नकारात्मक घटक मिले है। इनका उपयोग आमतौर पर पायलट जेटलाइनरों को रनवे पर चलाने के लिए करते हैं।

एनटीएसबी 6 फरवरी, 2024 की एक घटना की जांच कर रहा था, जिसमें न्यूर्क लिबर्टी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय यूनाइटेड एयरलाइंस बोइंग 737-8 मैक्स के रडर पैडल अपनी तटस्थ स्थिति में फंस गए थे। एनटीएसबी के अनुसार, एक सीलबंद बियरिंग को पतवारों के लिए एक्चुएटर्स पर गलत तरीके से जोड़ा गया था, जिसे पायलट लैंडिंग के बाद रनवे के केंद्र में रहने के लिए समायोजित करते हैं।
के बाद रनवे के केंद्र में रहने के लिए समायोजित करते हैं।
परिणामस्वरूप, नमी पतवार संयोजन में रिसकर जम सकती है। सोमवार को अपनी अंतरिम सुरक्षा सिफारिशों में डीजीसीए ने एयरलाइनों से कहा कि वे अपने सभी उड़ान चालक दल के सदस्यों को रडर नियंत्रण प्रणाली के जाम या प्रतिबंधित होने की संभावना के संबंध में सलाह और परिपत्र जारी करें। नियामक ने एयरलाइनों से कहा, ₹चालक दल को ऐसी स्थिति की पहचान करने और उससे निपटने में मदद करने के लिए उचित उपायों के बारे में बताया जाना चाहिए। भारत में तीन एयरलाइन्स हैं जिनके पास बारे में बताया जाना चाहिए। भारत में तीन एयरलाइन्स हैं जिनके पास B737 विमान हैं: एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्पाइसजेट।

DGCA ने एक बयान में कहा, इन अंतरिम उपायों का उद्देश्य सुरक्षा को बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना है कि फ्लाइट क्रू संभावित रडर नियंत्रण मुद्दों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, बोइंग/FAA द्वारा जारी किए जाने वाले विस्तृत परिचालन मार्गदर्शन तक। इसने सभी ऑपरेटरों से विमानों के लिए सुरक्षा जोखिम मूल्यांकन करने को कहा, ताकि पतवार नियंत्रण प्रणाली से जुड़े जोखिम का मूल्यांकन और शमन किया जा सके तथा अगली सूचना तक विमानों के लिए श्रेणी III बी के दृष्टिकोण, लैंडिंग और रोलआउट संचालन (अभ्यास या वास्तविक ऑटोलैंड सहित) को बंद कर दिया जाए।

इसमें कहा गया है, संभावित पतवार नियंत्रण प्रणाली के मुद्दों के बारे में चर्चा को प्री-सिम्युलेटर ब्रीफिंग के दौरान आवर्ती प्रशिक्षण सत्रों और इंस्ट्रूमेंट रेटिंग/प्रवीणता जांच (आईआर/पीपीसी) में अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। एयरलाइनों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे किया जाना चाहिए। एयरलाइनों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे आवर्ती प्रशिक्षण में विशिष्ट अभ्यासों को शामिल करें, जो रोलआउट प्रक्रियाओं सहित जाम या प्रतिबंधित पतवार नियंत्रण प्रणाली से जुड़े परिदृश्यों का अनुकरण करते हैं। इसमें निर्देश दिया गया कि, ₹इन अभ्यासों के दौरान उचित उड़ान चालक दल की प्रतिक्रियाओं और शमन उपायों का अभ्यास किया जाना चाहिए।

■ एनटीएसबी 6 फरवरी, 2024 की एक घटना की जांच कर रहा था, जिसमें न्यूर्क लिबर्टी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय यूनाइटेड एयरलाइंस बोइंग 737-8 मैक्स के रडर पैडल अपनी तटस्थ स्थिति में फंस गए थे। एनटीएसबी के अनुसार, एक सीलबंद बियरिंग को पतवारों के लिए एक्चुएटर्स पर गलत तरीके से जोड़ा गया था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 8 OCTOBER 2024

DGCA issues advisory for Boeing 737 planes

PTI
feedback@livemint.com
NEW DELHI

Aviation regulator DGCA on Monday issued an advisory to Indian airlines operating Boeing 737 planes regarding the potential risk of a jammed rudder control system. The move follows the recent probe report by the US National Transportation Safety Board (NTSB) that highlighted safety concerns involving Boeing 737 aircraft equipped with Collins Aerospace SVO-730 Rudder Rollout Guidance Actuators.

Against the backdrop of the potential risk of a jammed or restricted rudder control system, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued safety recommendations to Indian carriers.

Currently, Air India Express, Akasa Air and SpiceJet operate Boeing 737 planes. Together, they have nearly 100 such aircraft.

Air India Express operates 61 Boeing 737s, while Akasa Air has a fleet of 25 Boeing 737 MAX aircraft.

The advisory is related to the risk of a jammed or restricted rudder control system. REUTERS

According to data available on planespotters.net, SpiceJet has 11 Boeing 737s in service.

In August, Boeing informed affected operators of 737 planes about the potential condition with the rudder rollout guidance actuator.

The rudder rollout guidance actuator helps align an airplane's rudder with its nose wheel during takeoff and landing. It ensures proper alignment and control during critical phases of flight.

"The advisory regarding the Boeing 737 rudder system is applicable to only five of the aircraft in our fleet. We have initiated the process of compliance in adherence to the regulatory requirements," an Air India Express spokesperson said.

A SpiceJet spokesperson said none of its Boeing 737 NG aircraft are impacted.

DGCA said all flight crews are to be informed through a circular/advisory regarding the possibility of a jammed or restricted rudder control system.

"Appropriate mitigations must be communicated to help crews identify and handle such a situation," it added.

Further, all operators have been asked to conduct a safety risk assessment for aircraft to evaluate and mitigate the risk associated with the rudder control system.

The regulator also said that all Category III B approach, landing, and rollout operations, including practice or actual autoland, must be discontinued for these planes until further notice. Category III B pertains to operations in low visibility conditions.

Among other measures, airlines have been asked to mandatorily include discussion about potential rudder control system issues as a mandatory topic in recurrent training sessions. It will also be included in the Instrument Rating/Proficiency Checks (IR/PPC) during pre-simulator briefings.

"Appropriate flight crew responses and mitigations should be practised during these exercises," the regulator said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 8 OCTOBER 2024

Pvt jet travel up after 2-year lull

Mihir Mishra
mihir.mishra@livemint.com
NEW DELHI

India's private jet market is witnessing a resurgence after two years, riding busy business travel in the world's fastest-growing large economy and demand during general elections.

Private jet and helicopter activity jumped 18.2% on year to 106,300 movements in the April-August period this fiscal, according to data sourced from the Airports Authority of India (AAI).

That's close to the record 110,800 movements during the same period in 2021, when India's wealthy opted for charters over premium classes of commercial flights to avoid contracting the coronavirus. This spike was followed by two consecutive years of decline in 2022 and 2023.

India has around 130 private jets and a similar number of helicopters. AFP

"India is in demand and that is fuelling this growth—multiple top executives of global companies are flying in their private jets to India from all parts of the world to Delhi, Mumbai, Chennai, Bengaluru and Ahmedabad," said Santosh

TURN TO PAGE 6

Pvt jet travel up after 2-yr lull

FROM PAGE 1

Sharma, founder of Bookmyjet, an online platform for booking business jets. "Many of them are also taking business jets in the domestic sector for some leisure travel—say flying to Agra."

According to Sharma, corporates flying would be contributing about 70% of the increase in demand for charters, followed by other factors including election-related flying.

Higher business travel mirrors investor and business interest in the resilient Indian economy amid global uncertainties.

The nation is also offering incentives to boost local manufacturing of everything from solar panels and electrolysers to semiconductors. And global and local executives from the manufacturing and technology to software services sectors criss-crossing the country to evaluate opportunities and strike deals.

"India continues to emerge as a critical player in the global economy, attracting significant interest from multinational corporations, who rely on private aviation to navigate India's diverse business landscape, particularly when accessing tier 2 and tier 3 cities," said Kanika Tekriwal, founder and chief executive officer of JetSetGo, a private jet management company.

"Domestic companies, particularly in the startup ecosystem and various other fast-growing sectors, are increasingly turning to private aviation to support their expansion strategies..." Tekriwal said.

For an extended version of this story, go to livemint.com.

Market resurgence

Private jet and helicopter activity rose 18.2% year-on-year to 106,300 movements from April to August this fiscal, followed by two consecutive years of decline.

Data for April-August period Source: Airports Authority of India

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 8 OCTOBER 2024

BOEING 737

DGCA warns airlines on potential rudder issue

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Aviation regulator DGCA on Monday issued an advisory to Indian airlines operating Boeing 737 planes regarding the potential risk of a jammed rudder control system.

The move follows the recent probe report by the US National Transportation Safety Board (NTSB) that highlighted safety concerns involving Boeing 737 aircraft lanes equipped with Collins Aerospace SVO-730 Rudder Rollout Guidance Actuators.

Against the backdrop of the potential risk of a jammed or restricted rudder control system, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued safety recommendations to the Indian carriers.

Currently, Air India Express, Akasa Air and SpiceJet operate Boeing 737 planes.

In August, Boeing informed affected operators of 737 planes about the potential condition with the rudder rollout guidance actuator.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 8 OCTOBER 2024

Airbus to increase sourcing of components from India, says CEO

The company has more than 100 suppliers in India

NEW DELHI: Airbus will increase sourcing of components from India, which offers plenty of opportunities, according to the aircraft maker's CEO Guillaume Faury.

The European major, which has bagged huge aircraft orders from IndiGo and Air India, doubled its sourcing of components and services from India to 1 billion euros during the period from 2019-2024, he said.

The company has more than 100 suppliers in India.

At a press briefing in the national capital on Monday, Faury, who is also the Chairman of the French Aerospace Industries Association (GIFAS), said there are plenty of opportunities in India.

"We will be continuing to grow (sourcing of components)... We will continue to double around every 5 years, that is in the next decade to come. It is a stable pace," he said.

In 2023, for the first time, there was more equipment to be placed on aircraft, helicopters than IT services. The lines have crossed, he added.

Companies that are part of GIFAS make procurement worth $2 billion annually from India.

Meanwhile, Airbus has an order book for around 8,600 aircraft and expects to produce about 770 planes this year. IndiGo and Air India together have placed orders for more than 1,000 planes with Airbus.

About the Indian market, Faury said it is the fastest growing civil aviation market in the world and there is also fierce competition among airlines. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 8 OCTOBER 2024

Domestic air travel to reach 300 million by 2030: Naidu

NEW DELHI: India's domestic air passenger traffic is projected to touch 300 million by 2030 and about $11 billion is being spent to develop airports, Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu said on Monday.

He also said India and France can work together to develop a robust global Sustainable Aviation Fuel) supply chain. He was speaking at a conference organised by the French Aerospace Industries Association (GIFAS) in the national capital.

India is one of the world's fastest-growing civil aviation markets and airlines are expanding their fleets as well as networks to meet the rising demand.

Naidu said the domestic air passenger traffic is projected to touch 300 million by 2030 while 200 more airports are expected to be developed in the next 20-25 years. Currently, India has 157 airports, heliports and waterdromes. The number of operational airports is expected to reach 200 by the end of 2025.

At the conference, Civil Aviation Secretary Vumlunmang Vualnam said air trip per capita per annum for India is 0.13.

"If half of the Indians travel, we are looking at a market potential that is four times of what it is today". PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 8 OCTOBER 2024

Advisory issued for airlines using Boeing 737 aircraft

ENS ECONOMIC BUREAU @ New Delhi

Risk assessment

Advisory directs airlines to inform their flight crews about the risk of a jammed or restricted rudder control system and implement necessary mitigations

Advisory mandates

Advisory mandates the suspension of Category III B operations, which include low-visibility landings and autoland procedures, until further notice

THE Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued safety advisory to domestic carriers operating Boeing 737 aircraft regarding potential risks with the rudder control system. The advisory directs airlines to inform their flight crews about the risk of a jammed or restricted rudder control system and implement necessary mitigations.

"Appropriate measures must be communicated to help crews identify and manage such situations," said DGCA. Airlines have also been instructed to conduct a risk assessment for their Boeing 737 fleets and address the rudder control issue. The advisory mandates the suspension of Category III B operations, which include low-visibility landings and autoland procedures, until further notice. The DGCA has asked airlines to hold discussions about potential rudder system issues a part of crew training. The issue will be included in Instrument rating/proficiency checks (IR/PPC) and pre-simulator briefings, where crews will practice handling scenarios involving rudder malfunctions.

"Operators have been instructed to include specific exercises in recurrent training and IR/PPC that simulate scenarios involving a jammed or restricted rudder control system, including rollout procedures. Appropriate flight crew responses and mitigations should be practised during these exercises." The advisory comes after the US National Transportation Safety Board (NTSB) raised concerns over Boeing 737 planes fitted with Collins Aerospace SVO-730 Rudder Rollout Guidance Actuators.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 8 OCTOBER 2024

DGCA issues advisory on Boeing 737 rudder risks

PTI ■ NEW DELHI

Aviation regulator DGCA on Monday issued an advisory to Indian airlines operating Boeing 737 planes regarding the potential risk of a jammed rudder control system.

The move follows the recent probe report by the US National Transportation Safety Board (NTSB) that highlighted safety concerns involving Boeing 737 aircraft lanes equipped with Collins Aerospace SVO-730 Rudder Rollout Guidance Actuators.

Against the backdrop of the potential risk of a jammed or restricted rudder control system, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued safety recommendations to the Indian carriers.

Currently, Air India Express, Akasa Air and SpiceJet operate Boeing 737 planes.

DGCA said all flight crews are to be informed through a circular/advisory regarding the possibility of a jammed or restricted rudder control system.

"Appropriate mitigations must be communicated to help crews identify and handle such a situation," it added.

Further, all operators have been asked to conduct a safety risk assessment for aircraft to evaluate and mitigate the risk associated with the rudder control system.

The regulator also said that all Category III B approach, landing, and rollout operations, including practice or actual autoland, must be discontinued for these planes until further notice. Category III B pertains to operations in low visibility conditions.

Among other measures, airlines have been asked to mandatorily include discussion about potential rudder control system issues as a mandatory topic in recurrent training sessions.

It will also be included in the Instrument Rating/Proficiency Checks (IR/PPC) during pre-simulator briefings.

"Operators have been instructed to include specific exercises in Recurrent Training and IR/PPC that simulate scenarios involving a jammed or restricted rudder control system, including rollout procedures.

"Appropriate flight crew responses and mitigations should be practised during these exercises," the regulator said in a release.

DGCA also said the interim measures aim to enhance safety and ensure that flight crews are well-prepared to handle potential rudder control issues effectively. transparency and efficiency in services provided to apple growers," the chief minister said."HPMC has enhanced its processing capacity, with this year's crushing capacity increasing from 21,000 MT to 39,000 MT compared to the previous year. Additionally, the grading and packaging line capacity has been enhanced from 15,900 MT to 33,900 MT.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 8 OCTOBER 2024

India's domestic air passenger traffic to touch 300 million by 2030: Naidu

PTI ■ NEW DELHI

India's domestic air passenger traffic is projected to touch 300 million by 2030 and about USD 11 billion is being spent to develop airports, Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu said on Monday.

The minister also said India and France can work together to develop a robust global SAF (Sustainable Aviation Fuel) supply chain.

He was speaking at the conference organised by the French Aerospace Industries Association (GIFAS) in the national capital.

India is one of the world's fastest-growing civil aviation markets and airlines are expanding their fleets well as networks to meet the rising demand. Naidu said the domestic air passenger traffic is projected to touch 300 million by 2030 while 200 more airports are expected to be developed in the next 20-25 years.

Currently, India has 157 airports, heliports and waterdromes.

The number of operational airports is expected to reach 200 by the end of 2025.

The potential for partnership between India and France is immense, the minister added.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA DELHI 7 OCTOBER 2024

हवाई किराए में औसतन 25 फीसदी तक हुआ इजाफा

त्योहारी सीजन: फ्लाइट से लेकर बसों में यात्रियों की बढ़ने लगी भीड़

रायपुर@पत्रिका. त्योहारी सीजन के शुरू होते ही फ्लाइटों से लेकर से बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। रेलगाड़ियों में कंफर्म बर्थ नहीं करने के कारण लोग बसों और फ्लाइटों की ओर रूख कर रहे हैं। इसके चलते फ्लाइटों में किराए में औसतन 25 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। यात्रा के एक दो दिन पहले टिकट बुक कराने पर फेयर आसमान पर पहुंच गए है।

रविवार को हैदराबाद का किराया 8900 से 12500 रुपए, मुंबई का 17000 रुपए, कोलकाता का 10500 रुपए, चेन्नई का 11000 रुपए तक पहुंच गया है। बताया जाता है कि त्योहारी और कारोबारी सीजन को देखते हुए लोगों का आवागमन बढ़ गया है। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में पिछले सप्ताहभर में औसतन 50000 लोगों का आवागमन हो रहा है। पखवाड़ेभर में हैदराबाद के लिए नई और अहमदाबाद फ्लाइट रोजाना संचालित हो रही हैं। वहीं 27 अक्टूबर से पुणे और चेन्नई के लिए

हवाई किराया एक नजर में

डेस्टीनेशन	किराया वर्तमान	सामान्य किराया
कोलकाता	7000-8000	5000- 6000
दिल्ली	7000 -8000	5500-6000
मुंबई	8000-9000	6000-7000
हैदराबाद	7000-8000	5000- 6000
चेन्नई	8000-9000	6000-7000

अब डेली फ्लाइट मिलने लगेगी। ट्रैवल्स एसोसिएशन फेडरेशन ऑफ इंडिया (टाफ्री) के छत्तीसगढ़ अध्यक्ष रमन जादवानी ने बताया कि त्योहारों के चलते लोगों का आवागमन बढ़ा है।

सस्ते टिकट के लिए करना होगा इंतजार

फ्लाइट का फेयर त्योहारी सीजन के बाद सामान्य होने की उम्मीद ट्रैवल्स संचालकों ने जताई है। उनका कहना है कि लोगों का आवागमन बढ़ने के कारण किराया भी बढ़ा है। यात्रा करने से 15 से 20 दिन बाद का टिकट लेने पर उनके फेयर सामान्य रहते है। वहीं यात्रियों की संख्या कम होने पर विमानन कंपनियों द्वारा ऑफर चलाया जाता है।

नई फ्लाइटें शुरू होंगी

पुणे और चेन्नई के लिए 27 अक्टूबर से रोजाना फ्लाइट शुरू होने के बाद नवंबर में जयपुर, राजकोट, सूरत, पटना और विशाखापट्टनम के लिए फ्लाइट शुरू हो सकती हैं। उक्त 5 शहरों के लिए इंडिगो एयरलाइंस के साथ ही अन्य विमानन कंपनियां तैयारियों में जुटी हुई हैं। बताया जाता है कि एयरक्राफ्ट के साथ ही इन क्षेत्रों के लिए एयर ट्रैफिक और यात्रियों की संख्या का सर्वे किया जा रहा है। ट्रैवल्स संचालकों का कहना है कि जयपुर के लिए तो विंटर सीजन में शेड्यूल भी तय हो गया है। 13 नवंबर से विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट एयर इंडिया में विलय होते ही विशाखापट्टनम फ्लाइट शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।

चेतावनी के चलते नहीं बढ़ा किया

परिवहन विभाग की चेतावनी के चलते यात्री बसों का किराया फिलहाल नहीं बढ़ाया गया है। लेकिन, भीड़ बढ़ते ही किराए में इजाफा हो सकता है। हालांकि सभी फ्लाइंग स्क्वाड और आरटीओ को किराए की जांच करने के निर्देश दिए गए है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 8 OCTOBER 2024

Boeing 737s could be using rudder part that may pose safety risk: DGCA

Halt CAT 3B Landings, Airlines Told

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Civil aviation regulator DGCA issued an alert on Monday regarding potential rudder jamming on Boeing 737 aircraft, after a recent investigation by US National Transportation Safety Board highlighted risks associated with Collins Aerospace rudders on these planes.

DGCA directed operators of Boeing 737s with Collins Aerospace SVO-730 rudders to temporarily halt low visibility Category III B (CAT 3B) landings. This includes autoland operations, while risk assessments are carried out and special rudder control training is provided to pilots.

iStock

DGCA is determining the exact number of aircraft affected

The advisory applies to both Boeing 737 Next Generation (NG) and 737 MAX models used by Indian carriers such as Air India Express, Akasa, and SpiceJet. The exact number of aircraft affected is being determined in collaboration with Boeing. SpiceJet issued a statement, saying: "None of our B737 NG or MAX aircraft are impacted."

The US had issued a similar advisory, prompting India to take precautionary measures. "Considering the potential risk of a jammed or restricted rudder control system, DGCA has issued interim safety recommendations to all Indian operators of Boeing 737 aircraft, effective immediately," the Indian regulator said. DGCA's recommendations include advising flight crews about the possibility of rudder jamming and ensuring they are prepared to handle such situations. Operators have been instructed to conduct safety risk assessments and incorporate specific rudder control exercises into pilot training sessions. These exercises will simulate scenarios involving jammed or restricted rudder systems to ensure flight crews are equipped to respond appropriately.

Boeing responded to the advisory: "In Aug, we informed affected 737 operators of a potential condition with the rudder... The autoland system includes layers of redundancy, and we are working with our supplier to develop additional guidance to address the potential condition."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 8 OCTOBER 2024

France, India Join Hands for Aeronautics Cluster, Campus

PTI

New Delhi: France and India will be setting up an aeronautics cluster as well as developing an Indo-French campus for professional training in aeronautics and space.

France's Ambassador to India Thierry Mathou on Monday said the two countries have been strategic partners for a long time, especially in the fields of defence and aerospace.

Speaking at the conference organised by the French Aerospace Industries Association (GIFAS) in the national capital, he said 55% of French exports to India are in the aeronautical sector, amounting to 2.7 billion euros in the first *half of 2024*.

French Ambassador Thierry Mathou said the two countries have been strategic partners for a long time

While noting that the partnership is not just strategic but universal, he said they are currently working on an Indo-French campus for professional training in aeronautics and space.

"We are also working with the civil aviation ministry to set up an aeronautics cluster...," he said. Specific details about the cluster proposal could not be immediately ascertained.

According to the Ambassador, France will support India's goal to decarbonise transport and on developing Sustainable Aviation Fuel (SAF).

At the event, Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu said India and France can work together to develop a robust SAF supply chain.

"Today, our partnership is not just strategic, you should call it universal because it goes literally from the seabed to the outer space," the Ambassador said.

In the civil aviation space, Indian carriers are operating a significant number of Airbus planes.